Ancient Vedic Mantras and Rituals

Chaturthi Vrat 2026 | चतुर्थी व्रत: सुख और समृद्धि का पर्व | PDF

भारतीय परंपरा में व्रत और त्योहारों का अपना विशिष्ट स्थान है। हर व्रत और त्योहार हमारे जीवन को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करता है। इन्हीं में से एक है चतुर्थी व्रत, जो भगवान गणेश की आराधना के लिए समर्पित है। साल 2026 का पहला बुधवार, 20 मई, न केवल नया साल शुरू करने का दिन होगा, बल्कि यह चतुर्थी व्रत के लिए भी एक शुभ दिन है। इस दिन का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि बुधवार को भगवान गणेश का दिन माना जाता है, और जब यह चतुर्थी व्रत के साथ आता है, तो इसका फलदायी प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है।

2026 में चतुर्थी व्रत के शुभ संकेत

20 मई 2026 का चतुर्थी व्रत साल की शुरुआत का पहला व्रत होगा। यह दिन भक्तों के लिए शुभ संकेत लेकर आएगा। इसे करने से पूरे साल के लिए शुभता और समृद्धि की नींव रखी जा सकती है।

2. पूजा की तैयारी

पूजा के लिए निम्नलिखित सामग्री तैयार करें:

- भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र
- लाल कपड़ा
- दूर्वा (गणेश जी को प्रिय घास)
- मोदक या लड्डू
- ताजे फूल (लाल फूल अधिक शुभ माने जाते हैं)
- दीपक और अगरबत्ती
- चंदन, कुमकुम और अक्षत (चावल)

3. पूजा विधि

- एक साफ स्थान पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।
- मूर्ति को गंगाजल से शुद्ध करें।
- भगवान गणेश को चंदन और कुमकुम का तिलक लगाएं।
- दूर्वा, फूल, और मोदक अर्पित करें।
- दीपक जलाकर भगवान गणेश की आरती करें।
- गणेश मंत्रों का जाप करें, जैसे:
    - **"ॐ गण गणपतये नमः"**
    - **"ॐ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।"**

4. चंद्रमा की पूजा

चतुर्थी व्रत के दिन रात में चंद्रमा को अर्घ्य देना अनिवार्य माना जाता है। चंद्रमा के दर्शन के बाद ही व्रत पूरा होता है।

चतुर्थी व्रत की कथा

चतुर्थी व्रत की पूजा में व्रत कथा का श्रवण करना अत्यंत शुभ माना जाता है। कथा के माध्यम से भगवान गणेश की महिमा और उनके चमत्कारिक कार्यों का स्मरण किया जाता है।

व्रत कथा

एक बार देवताओं ने भगवान गणेश की पूजा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने गणेश जी से प्रार्थना की कि वे सभी भक्तों के विघ्न और बाधाएं दूर करें। भगवान गणेश ने उन्हें आशीर्वाद दिया और कहा कि जो भक्त सच्चे मन से चतुर्थी व्रत करेंगे, उनके सभी संकट दूर हो जाएंगे।

इस कथा का उद्देश्य भगवान गणेश की महिमा का वर्णन करना और भक्तों को यह प्रेरणा देना है कि वे अपने जीवन में धैर्य और श्रद्धा के साथ हर चुनौती का सामना करें।

बुधवार और चतुर्थी व्रत का संयोग: आध्यात्मिक लाभ

1. **विघ्नों का नाश:**
   भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। इस व्रत को करने से जीवन के सभी बाधाएं समाप्त होती हैं।

2. **सुख और समृद्धि:**
   शुक्रवार माता लक्ष्मी का दिन है। इस दिन चतुर्थी व्रत रखने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है।

3. मनोकामना पूर्ति:
जो भक्त इस दिन सच्चे मन से व्रत और पूजा करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

4. आत्मिक शांति:
व्रत और पूजा से मानसिक शांति मिलती है और व्यक्ति अपने जीवन के उद्देश्य को समझने में सक्षम होता है।

व्रत रखने के कुछ विशेष सुझाव

- व्रत के दौरान अहिंसा का पालन करें और सादगी से दिन बिताएं।
- दिनभर फलाहार करें और अनाज का सेवन न करें।
- भगवान गणेश के भजन और मंत्रों का जाप करते रहें।
- जरूरतमंदों को भोजन या दान करें।

निष्कर्ष

बुधवार, 20 मई 2026 को पड़ने वाला चतुर्थी व्रत भक्तों के लिए एक दुर्लभ और शुभ अवसर है। इस दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा से जीवन के सभी संकट दूर होंगे और सुख-शांति का वास होगा। यह दिन न केवल आध्यात्मिक उत्थान के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह परिवार और समाज के लिए भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा।

इस दिन पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ व्रत रखें, और भगवान गणेश से अपने जीवन को सुख, समृद्धि और सफलता से भरने की प्रार्थना करें।

RELATED ARTICLE

गणेश जी आरती

श्री गणेश स्तोत्र

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS